चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम दैनिक भास्कर

दिनांक 19.2.2021 पृष्ठ संख्या 2 कॉलम 3-4

वर्कशॉप में ई-रिसोर्स के संसाधनों पर हुआ मंथन, डैमो देकर भी समझाया

एचएयू में आयोजित कार्यशाला में विशेषज्ञों ने दिए सुझाव

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की नेहरू लाइब्रेरी व भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में तीन दिवसीय वर्चुअल कार्यशाला के दूसरे दिन ई-रिसोर्स के भूत, वर्तमान और भविष्य को लेकर व्याख्यान हुए। वर्कशॉप का मुख्य विषय डिजिटाइजेशन का आधुनिक शिक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान है। कार्यशाला के दूसरे सत्र में पुस्कालयाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह ने ई-रिसोर्स की उत्पति, उनके विकास एवं वर्तमान में उपलब्ध समस्त ई-रिसोर्स के स्वरूपों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों के लिए उपयोगी ओपन एक्सिस फ्री ऑनलाइन सूचना स्त्रोतों के बारे में भी बताया। आह्वान किया कि वे यहां से अर्जित ज्ञान को अपने पुस्तकालयों में उपयोग करते हुए अपने संस्थान के शिक्षकों व विद्यार्थियों को अवगत करवाएं।

डॉ. राजीव कुमार पटेरिया ने मेंडले रिफरेंस मैनेजर को लेकर अपना व्याख्यान देते हुए इसकी उपयोगिता और इसके प्रयोग करने के लिए तरीके पर भी लाइव डेमो प्रस्तुत किया। इस दौरान प्रतिभागियों ने ई-रिसोर्स से संबंधित प्रश्नोत्तर भी किए, जिनका रिसोर्स वक्ताओं ने बखूबी जवाब दिए। जीजेयू के सहायक पस्तकालयाध्यक्ष नरेंद्र राणा ने शोध नीति एवं प्लेजेरियम के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। एमडीयू रोहतक के डॉ. निर्मल कुमार ने शैक्षणिक शोध में उपयोग होने वाले समस्त प्लेजेरियम उपकरणों के बारे में चर्चा की। एनआईटी जालंधर के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. डीपी त्रिपाठी ने पुस्तकालयों के बदलते स्वरूप व नवीनतम तकनीकों के द्वारा इंटरनेट के माध्यम से दी जाने वाली सेवाओं पर विचार-विमर्श किया। इस कार्यशाला की आयोजक डॉ. सीमा परमार ने बताया कि कार्यशाला में देशभर के सभी कृषि विश्वविद्यालयों के करीब 400 शिक्षक, विद्यार्थी एवं कृषि पुस्तकालयाध्यक्ष हिस्सा ले रहे हैं। कार्यशाला में 3 तकनीकी सत्र रखे हैं, जिसमें देशभर से 12 विषय विशेषज्ञों को आमंत्रित किया है।

एचएयू की लाइब्रेरी में आयोजित कार्यशाला के दौरान संबोधित करते हुए वक्ता।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक जागरण.....

दिनांक 19.2.2021.....पृष्ठ संख्या.....3.....कॉलम...1-2.....

शिक्षकों और विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण है ई-रिसोर्स

डिजिटलाइजेशन का आधुनिक शिक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान विषय पर कार्यशाला

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की नेहरू लाइब्रेरी व भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली की तरफ से तीन दिवसीय वर्चुअल कार्यशाला के दूसरे दिन ई-रिसोर्स के भूत, वर्तमान और भविष्य को लेकर व्याख्यान हुए। कार्यशाला में देशभर से सभी कृषि विश्वविद्यालयों के शिक्षक, विद्यार्थी एवं कृषि पुस्तकालयाध्यक्ष हिस्सा ले रहे हैं। वर्कशॉप का मुख्य विषय डिजिटाइजेशन का आधुनिक शिक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान है। कार्यशाला के दूसरे सत्र में पुस्कालयाध्यक्ष डा. बलवान सिंह ने ई-रिसोर्स की उत्पति, उनके विकास एवं वर्तमान में उपलब्ध समस्त ई-रिसोर्स के स्वरूपों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों के लिए उपयोगी ओपन एक्सिस फ्री ऑनलाइन सूचना स्त्रोतों के बारे में भी बताते हुए उनकी उपयोगिता पर प्रकाश डाला। वे यहां से अर्जित ज्ञान को अपने पुस्तकालयों में उपयोग करते हुए अपने संस्थान के शिक्षकों व विद्यार्थियों को अवगत करवाएं। डॉ. राजीव कुमार पटेरिया ने मेंडले रिफरेंस मैनेजर को लेकर अपना व्याख्यान देते हुए इसकी उपयोगिता और इसके प्रयोग करने के लिए तरीके पर भी लाइव डेमो प्रस्तुत किया। इस दौरान प्रतिभागियों ने ई-रिसोर्स से संबंधित प्रश्नोत्तर भी किए जिनका रिसोर्स वक्ताओं ने बखुबी जवाब दिए। गुरू जंभेश्वर विश्वविद्यालय के सहायक पुस्कालयाध्यक्ष नरेंद्र राणा ने शोध नीति एवं प्लेजेरियम के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक के डॉ. निरमल कुमार ने शैक्षणिक शोध में उपयोग होने वाले समस्त प्लेजेरियम उपकरणों के बारे में चर्चा की। एनआईटी जालंधर के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. डी.पी. त्रिपाठी ने पुस्तकालयों के बदलते स्वरूप व नवीनतम तकनीकों के द्वारा इंटरनेट के माध्यम से दी जाने वाली सेवाओं पर विस्तारपूर्वक विचार-विमर्श किया। इस कार्यशाला की आयोजक डॉ. सीमा परमार ने बताया कि कार्यशाला में देशभर के सभी कृषि विश्वविद्यालयों के करीब 400 शिक्षक, विद्यार्थी एवं कृषि पुस्तकालयाध्यक्ष हिस्सा ले रहे हैं। कार्यशाला में तीन तकनीकी सत्र रखे गए हैं जिसमें देशभर से 12 विषय विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया है। वक्ताओं ने प्रतिभागियों को सूचना तकनीक संबंधी विभिन्न विषयों को लेकर जानकारी देते हुए उनकी जिज्ञासाओं को भी शांत किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	**18.02.2021**	--	--

वर्कशॉप में ई-रिसोर्स के भूत, वर्तमान और भविष्य पर हुए व्याख्यान

हिसार (समस्त हरियाणा न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की नेहरू लाइब्रेरी व भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में तीन दिवसीय वर्चुअल कार्यशाला के दूसरे दिन ई-रिसोर्स के भूत, वर्तमान और भविष्य को लेकर व्याख्यान हुए। कार्यशाला में देशभर से सभी कृषि विश्वविद्यालयों के शिक्षक, विद्यार्थी एवं कृषि पुस्तकालयाध्यक्ष हिस्सा ले रहे हैं। वर्कशॉप का मुख्य विषय डिजिटाइजेशन का आधुनिक शिक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान है। कार्यशाला के दूसरे सत्र में पुस्कालयाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह ने ई-रिसोर्स की उत्पति, उनके विकास एवं वर्तमान में उपलब्ध समस्त ई-रिसोर्स के स्वरूपों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों के लिए उपयोगी ओपन एक्सिस फ्री ऑनलाइन सूचना स्त्रोतों के बारे में भी बताते हुए उनकी उपयोगिता पर प्रकाश डाला। डॉ. राजीव कुमार पटेरिया ने मेंडले रिफरेंस मैनेजर को लेकर अपना व्याख्यान देते हुए इसकी उपयोगिता और इसके प्रयोग करने के लिए तरीके पर भी लाइव डेमो प्रस्तुत किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	**18.02.2021**	--	--

वर्कशॉप में ई-रिसोर्स के भूत, वर्तमान और भविष्य पर हुए व्याख्यान

डिजिटाइजेशन का आधुनिक शिक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान विषय पर कार्यशाला का आयोजन

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की नेहरू लाइब्रेरी व भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में तीन दिवसीय वर्चुअल कार्यशाला के दूसरे दिन ई-रिसोर्स के भूत, वर्तमान और भविष्य को लेकर व्याख्यान हुए। कार्यशाला में देशभर से सभी कृषि विश्वविद्यालयों के शिक्षक, विद्यार्थी एवं कृषि पुस्तकालयाध्यक्ष हिस्सा ले रहे हैं। वर्कशॉप का मुख्य विषय डिजिटाइजेशन का आधुनिक शिक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान है।

कार्यशाला के दूसरे सत्र में पुस्कालयाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह ने ई-रिसोर्स की उत्पति, उनके विकास एवं वर्तमान में उपलब्ध समस्त ई-रिसोर्स के स्वरूपों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों के लिए उपयोगी ओपन एक्सिस फ्री ऑनलाइन सूचना स्त्रोतों के बारे में भी बताते हुए उनकी उपयोगिता पर प्रकाश डाला। साथ ही आह्वान किया कि वे यहां से अर्जित ज्ञान को अपने पुस्तकालयों में उपयोग करते हुए अपने संस्थान के शिक्षकों व विद्यार्थियों को अवगत करवाएं। डॉ. राजीव कुमार पटेरिया ने मेंडले रिफरेंस मैनेजर को लेकर अपना व्याख्यान देते हुए इसकी उपयोगिता और इसके प्रयोग करने के लिए तरीके पर भी लाइव डेमो प्रस्तुत किया। इस दौरान प्रतिभागियों ने ई-रिसोर्स से संबंधित प्रश्नोत्तर भी किए जिनका रिसोर्स वक्ताओं ने बखुबी जवाब दिए।

गुरू जंभेश्वर विश्वविद्यालय के सहायक पुस्कालयाध्यक्ष नरेंद्र राणा ने शोध नीति एवं प्लेजेरियम के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला।

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक के डॉ. निरमल कुमार ने शैक्षणिक शोध में उपयोग होने वाले समस्त प्लेजेरियम उपकरणों के बारे में चर्चा की।

एनआईटी जालंधर के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. डी.पी. त्रिपाठी ने पुस्तकालयों के बदलते स्वरूप व नवीनतम तकनीकों के द्वारा इंटरनेट के माध्यम से दी जाने वाली सेवाओं पर विस्तारपूर्वक विचार-विमर्श किया।

इस कार्यशाला की आयोजक डॉ. सीमा परमार ने बताया कि कार्यशाला में देशभर के सभी कृषि विश्वविद्यालयों के करीब 400 शिक्षक, विद्यार्थी एवं कृषि पुस्तकालयाध्यक्ष हिस्सा ले रहे हैं। कार्यशाला में 3 तकनीकी सत्र रखे गए हैं जिसमें देशभर से 12 विषय विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया है। वक्ताओं ने प्रतिभागियों को सूचना तकनीक संबंधी विभिन्न विषयों को लेकर जानकारी देते हुए उनकी जिज्ञासाओं को भी शांत किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	**18.02.2021**	--	--

वर्कशॉप में डिजिटाइजेशन का आधुनिक शिक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान विषय पर कार्यशाला

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की नेहरू लाइब्रेरी व भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में तीन दिवसीय वर्चुअल कार्यशाला के दूसरे दिन ई-रिसोर्स के भूत, वर्तमान और भविष्य को लेकर व्याख्यान हुए। कार्यशाला में देशभर से सभी कृषि विश्वविद्यालयों के शिक्षक, विद्यार्थी एवं कृषि पुस्तकालयाध्यक्ष हिस्सा ले रहे हैं। वर्कशॉप का मुख्य विषय डिजिटाइजेशन का आधुनिक शिक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान है। कार्यशाला के दूसरे सत्र में पुस्कालयाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह ने ई-रिसोर्स की उत्पति, उनके विकास एवं वर्तमान में उपलब्ध समस्त ई-रिसोर्स के स्वरूपों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों के लिए उपयोगी ओपन एक्सिस फ्री ऑनलाइन सूचना स्त्रोतों के बारे में भी बताते हुए उनकी उपयोगिता पर प्रकाश डाला। साथ ही आह्वान किया कि वे यहां से अर्जित ज्ञान को अपने पुस्तकालयों में उपयोग करते हुए अपने संस्थान के शिक्षकों व विद्यार्थियों को अवगत करवाएं। गुरू जंभेश्वर विश्वविद्यालय के सहायक पुस्कालयाध्यक्ष नरेंद्र राणा ने शोध नीति एवं प्लेजेरियम के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। इस कार्यशाला की आयोजक डॉ. सीमा परमार ने बताया कि कार्यशाला में देशभर के सभी कृषि विश्वविद्यालयों के करीब 400 शिक्षक, विद्यार्थी एवं कृषि पुस्तकालयाध्यक्ष हिस्सा ले रहे हैं।

हिसार। एचएयू की लाइब्रेरी में आयोजित कार्यशाला के दौरान संबोधित करते हुए वक्ता।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	**18.02.2021**	--	--

हकृवि में ई-रिसोर्स के भूत, वर्तमान और भविष्य पर व्याख्यान का आयोजन

हिसार/18 फरवरी/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की नेहरू लाइब्रेरी व भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में तीन दिवसीय वर्चुअल कार्यशाला के दूसरे दिन ई-रिसोर्स के भूत, वर्तमान और भविष्य को लेकर व्याख्यान हुए। कार्यशाला में देशभर से सभी कृषि विश्वविद्यालयों के शिक्षक, विद्यार्थी एवं कृषि पुस्तकालयाध्यक्ष हिस्सा ले रहे हैं। वर्कशॉप का मुख्य विषय डिजिटाइजेशन का आधुनिक शिक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान है। कार्यशाला के दूसरे सत्र में पुस्कालयाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह ने ई-रिसोर्स की उत्पत्ति, उनके विकास एवं वर्तमान में उपलब्ध समस्त ई-रिसोर्स के स्वरूपों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों के लिए उपयोगी ओपन एक्सिस फ्री ऑनलाईन सूचना स्त्रोतों के बारे में भी बताते हुए उनकी उपयोगिता पर प्रकाश डाला। साथ ही आह्वान किया कि वे यहां से अर्जित ज्ञान को अपने पुस्तकालयों में उपयोग करते हुए अपने संस्थान के शिक्षकों व विद्यार्थियों को अवगत करवाएं। डॉ. राजीव कुमार पटेरिया ने मेंडले रिफरेंस मैनेजर को लेकर अपना व्याख्यान देते हुए इसकी उपयोगिता और इसके प्रयोग करने के लिए तरीके पर भी लाइव डेमो प्रस्तुत किया। इस दौरान प्रतिभागियों ने ई-रिसोर्स से संबंधित प्रश्नोत्तर भी किए जिनका रिसोर्स वक्ताओं ने बखुबी जवाब दिए। गुरू जंभेश्वर विश्वविद्यालय के सहायक पुस्कालयाध्यक्ष नरेंद्र राणा ने शोध नीति एवं प्लेजेरियम के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक के डॉ. निरमल कुमार ने शैक्षणिक शोध में उपयोग होने वाले समस्त प्लेजेरियम उपकरणों के बारे में चर्चा की। एनआईटी जालंधर के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. डीपी त्रिपाठी ने पुस्तकालयों के बदलते स्वरूप व नवीनतम तकनीकों के द्वारा इंटरनेट के माध्यम से दी जाने वाली सेवाओं पर विस्तारपूर्वक विचार-विमर्श किया। इस कार्यशाला की आयोजक डॉ. सीमा परमार ने बताया कि कार्यशाला में देशभर के सभी कृषि विश्वविद्यालयों के करीब 400 शिक्षक, विद्यार्थी एवं कृषि पुस्तकालयाध्यक्ष हिस्सा ले रहे हैं। कार्यशाला में 3 तकनीकी सत्र रखे गए हैं जिसमें देशभर से 12 विषय विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया है। वक्ताओं ने प्रतिभागियों को सूचना तकनीक संबंधी विभिन्न विषयों को लेकर जानकारी देते हुए उनकी जिज्ञासाओं को भी शांत किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम .... दैनिक भास्कर ....

दिनांक 19.2.2021 पृष्ठ संख्या 5 कॉलम 2-6

स्टार्ट-अप | जिम करने के दौरान प्रोटीन सप्लीमेंट आते थे महंगे, एमबीए छात्र ने तैयार किया वीगन चिकन बार

कम खर्च में प्रोटीन की जरूरत पूरी करेगा वीगन चिकन बार

वैभव शर्मा • हिसार

आमतौर पर हम मानते हैं कि बॉइल्ड चिकन, अंडे या मांस से बने उत्पाद खाने से हमें शुद्ध रूप से प्रोटीन मिलता है। या फिर इसका दूसरा विकल्प बाजार में मिलने वाले सप्लीमेंट हैं, जिनका प्रयोग बॉडी-बिल्डिंग करने में किया जाता है। इस धारणा को बदलने और आम आदमी तक प्रोटीन सप्लीमेंट पहुंचाने के उद्देश्य को हिसार के दो युवा पूरा कर रहे हैं। अब आप शाकाहारी खाद्य पदार्थ खाकर भी मस्कुलर बॉडी बना सकेंगे। प्रोटीन की जरूरत पूरी हो सके इसके लिए एमबीए पासआउट अंकित और सीए प्रणव ने एक नया स्टार्टअप शुरू किया है। वीगन चिकन बार को बनाने के लिए गेहूं के आटे को 20 बार गूथा जाता है, जब यह रबड़ का हो जाए तो सुखाकर पाउडर बना लिया होता है। इसके बाद इसमें एलोवेरा, अर्जुन की छाल, अलसी, काले जामुन के बीजों का पाउडर आदि मिलाकर वीगन चिकन बार तैयार होती है। एक वीगन चिकन बार में 20 ग्राम प्रोटीन होता है। इस काम के लिए अंकित ने लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय से तकनीकि समझी फिर यह स्टार्ट-अप शुरू करते हुए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के एग्री बिजनेस इन्क्यूवेशन सेंटर में आवेदन किया। प्रोडक्ट चयनित हो चुका है और स्टार्ट अप को आगे बढ़ाने के लिए 25 लाख रुपये की ग्रांट भी जल्द मिलेगी।

वीगन चिकन बार को दिखाते अंकित, साथ में प्रोफेशनल बॉडी बिल्डर। • स्वयं

ऐसे एमबीए के बाद शुरू किया स्टार्ट-अप

गाजियाबाद के आइएमटी कॉलेज से अंकित ने एमबीए 2019 में पूरी की। उन्होंने बताया कि वह अक्सर जिम जाते थे तो सप्लीमेंट के लिए व्हे प्रोटीन लेना पड़ता था जो एक डब्बा हजारों रुपये तक का आता। ऐसे में उन्होंने खुद इस पर रिसर्च की और वीगन चिकन बार तैयार कर ली। फिर इस प्रोडक्ट की टेस्टिंग भी एक प्राइवेट लैब में कराई। कुछ-कुछ परिवर्तन के साथ व्हे प्रोटीन जितनी प्रोटीन की जरूरत को पूरा कर लिया गया। इस काम में उनके चार्टर्ड अकाउंटेंट मित्र प्रणव ने भी मदद की। इसके बाद इस व्यापार की रूप देने के लिए उन्होंने सेक्टर-15 में छोटी जगह में प्लांट लगाया। पांच लाख रुपये की पूंजी लेकर छोटी मशीनें लाकर प्रोडक्शन शुरू कर दिया। नवाचार को एचएयू के एबिक सेंटर के साथ साझा किया।

क्या होता है वीगन होना

वीगन वो लोग होते हैं जो पशुओं से किसी भी प्रकार का प्रोडक्ट नहीं लेते हैं। वह न तो दूध या पनीर खाते हैं न ही मांस आदि का सेवन करते हैं। एक वीगन चिकन बार की कीमत 120 रुपये है। यह व्हे प्रोटीन से काफी सस्ता है। ऐसे में हर कोई खरीद भी सकता है।

स्टार्ट-अप को बढ़ावा दे रहे एग्रीबिजनेस इन्क्यूवेशन सेंटर

एचएयू के कुलपति प्रो समर सिंह ने बताया कि एग्री बिजनेस इन्क्यूवेशन सेंटर इस प्रकार के नवाचार करने वालों को बढ़ावा दे रहा है। आप अपना नया विचार लेकर कभी भी आ सकते हैं।